मेहमान तुम्हारे जैसा | By Rupesh Tyagi

मेहमान तुम्हारे जैसा मेरे भी घर आए
सच कहता हूं सांवरिया जीवन ही संवर जाए
मेहमान तुम्हारे जैसा.....

विदुर घर खाकर जो मान दिया तुमने
तुम भाव के भूखे हो प्रमाण दिया तुमने
मेरे घर का रुखा सुखा तेरे मुंह जो लग जाए
सच कहता हूं सांवरिया जीवन ही संवर जाए
मेहमान तुम्हारे जैसा.....

बैठा हूं थाल सजाकर तेरा करने को पूजन
चरणों को तेरे पखारु गंगाजल से मोहन
स्वागत में तेरा कन्हैया तेरे दास मचल जाए
सच कहता हूं सांवरिया जीवन ही संवर जाए
मेहमान तुम्हारे जैसा.....

गिरधारी तेरे जैसा मेहमान बने जिसका
यह सच है इस दुनिया में सम्मान बढे उसका
मेरे घर भी दो पल ठहरो मेरा मान भी बढ़ जाए
सच कहता हूं सांवरिया जीवन ही संवर जाए
मेहमान तुम्हारे जैसा.....

रूपेश तेरा दीवाना हो बैठा सांवरिया
आकर के श्याम बजाओ मेरे घर भी बांसुरिया
मस्ती सी राज मैहर पर तेरे नाम की चढ़ जाए
सच कहता हूं सांवरिया जीवन ही संवर जाए
मेहमान तुम्हारे जैसा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a4%be-by-rupesh-tyagi/